क्या **वैदेशिक कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या लंदन में मैसूर के व्यापार प्रतिनिधि के कार्यालय के भविष्य के बारे में कोई निर्णय किया गया है; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

वैदेशिक कार्य मंत्री (श्री दिनेश सिंह) (क) और (ख). जी नहीं। मामला अभी विचाराधीन है।

भारत-चीन सीमा पर चीनी सेना का जमाव

1175. **श्री म० ला० सोंधी :**
श्री प० मु० सईद :
श्री राम स्वरूप विद्यार्थी :
श्री नारायण स्वरूप शर्मा
श्री ओम प्रकाश त्यागी :
कुमारी कमला कुमारी :

क्या **प्रतिरक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत-चीन सीमा पर चीनी सेना का जमाव तथा उसकी गतिविधियां हाल में असाधारण: बढ़ गई हैं ;

(ख) यदि हां, तो सरकार के विचारानुसार चीनी सेना के इस जमाव के पीछे चीन का क्या उद्देश्य है; और

(ग) इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

प्रतिरक्षा मंत्री (श्री स्वर्ण सिंह) : (क) चीनी सेनाएं अब भी भारी संख्या में हमारी उत्तरी सीमाओं के पार विद्यमान हैं। तदपि, उनकी गतिविधि में हाल में कोई विशेष परिवर्तन नहीं हुआ है।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) अपनी भूक्षेत्रीय अखण्डता की सुरक्षा के लिए अपनी सीमाओं के उस पार पर सतर्कता से ध्यान रखा जाता है।

Indian Quota For U.N. Jobs

1176. SHRI M. L. SONDHI :
SHRI M. N. REDDY :
SHRI K. LAKKAPPA :
SHRI SAMAR GUHA :
SHRI SURENDRANATH-DWIVEDY :
SHRI V.VISHWANATHA MENON:
SHRI C. K. CHAKRAPANI:
SHRI UMANATH:
SHRI GANESH GHOSH:
SHRI VASUNDEVAN NAIR :
SHRI YASH PAL SINGH :
SHRI S. K. TAPURIAH :
SHRI HIMATSINGKA:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) wehther it is a fact that there is some resentment over Indian quota for U.N. Jobs; and

(b) if so, what is the real picture of the affair and government's reaction thereto ?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI DINESH SINGH) : (a) and (b). According to a report submitted by the U.N. Secretary-General to the General Assembly, Indian nationtals were occupying 65 posts in the professional and executive grades in the U.N. Secretariat on the 31st August, 1968, as against the prescribed range of 26 to 31 posts. Several other Member States are similarly "over represented" and this has caused some adverse comment from the "under represented" Member States.

India's so-called over representation is due largely to historical reasons. When the U.N. was established its Secretariat had to be formed by those founder Members which had an adequate reservoir of qualified and trained personnel. India was among the Member States which provdedi the trained manpower needed by the U.N. Secretariat. The U.N. Secretary-General is trying to ensure equitable representation for all Member States in the U.N. Secretariat, and this is being achieved gradually and in such a manner as not to impair the efficiency of the Organisation.